गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 127
दि. 06.09.2025,
शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

संक्षिप्त समाचार

डॉ. मनसुख मांडविया ने माई भारत मुख्यालय में उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की

केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने आज नई दिल्ली स्थित माई भारत मुख्यालय में एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान, यह निर्णय लिया गया कि एनडीएमए द्वारा प्रशिक्षित 1,000 से अधिक माई भारत आपदा मित्रों को बाढ़ प्रभावित पंजाब और हिमाचल प्रदेश राज्यों में राहत और बचाव कार्यों में सक्रिय रूप से सहायता के लिए तैनात किया जाएगा। डॉ. मांडविया ने बताया कि ये युवा स्वयंसेवक मिलकर यह सुनिश्चित करेंगे कि आपूर्ति और आवश्यक सेवाएँ उन दूर-दराज के गाँवों तक पहुँचे।

बारिश-बाढ़ से त्राहिमाम कर रहे राज्यों का दौरा करेंगे पीएम, नुकसान का लेंगे जायजा

नई दिल्ली। (जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारी बारिश और बाढ़ से त्राहिमाम कर रहे राज्यों का दौरा कर स्थिति का आकलन करेंगे। सूत्रों के मुताबिक पीएम मोदी के दौरे का कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है। बता दें कि बीते एक सितंबर को गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर के प्रभावित इलाकों का जायजा लिया था।

देशभर में बारिश और बाढ़ ने तबाही मचाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित राज्यों का दौरा कर नुकसान का आकलन करेंगे। सूत्रों ने बताया कि बारिश और बाढ़ प्रभावित राज्यों का दौरा कर पीएम मोदी स्थिति की समीक्षा करेंगे। सरकारी सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि उत्तर भारतीय राज्यों, विशेषकर पंजाब और जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश के कारण बड़ी जन-धन की हानि हुई है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड भी भूस्खलन और अतिवृष्टि से जूझ रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक पीएम मोदी बहुत जल्द इन राज्यों के प्रभावित इलाकों का दौरा कर सकते हैं। फिलहाल उनके कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की जा रही है। ग़ौरतलब है कि पीएम मोदी ने हाल ही में जापान और चीन दौरे से लौटने के बाद पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से बात की थी। केंद्र सरकार लगातार प्रभावित राज्यों को राहत और बचाव कार्यों में सहयोग दे रही है। गौरतलब है कि पंजाब में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 43 पहुंच गई है। तीन लोग अभी लापता हैं। मृतकों में अमृतसर (5), बरनाला (5), बठिंडा (4), फाजिल्का (1), फिरोजपुर (1), गुरदासपुर (2), होशियारपुर (7), मानसा (3), पठानकोट (6), पटियाला (1), रूपनगर (1), संगरूर (1), एसएएस नगर (2) और लुधियाना (4) शामिल हैं।

बाढ़ से संघर्ष कर रहे इलाकों में फंसे आम लोगों की सेहत को देखते हुए एम्स दिल्ली ने डॉक्टरों और नर्सों की एक विशेष टीम प्रभावित इलाकों में भेजी है। जरूरतमंद लोगों तक चिकित्सीय और मानवीय सहायता पहुंचाने के प्रयास जारी हैं। हालात की संवेदनशीलता को देखते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने 1 सितंबर को जम्मू का दौरा कर बारिश, बाढ़ और भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया था। उन्होंने मांजु चक गांव में बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की और तवी ब्रिज, शिव मंदिर व क्षतिग्रस्त मकानों का जायजा लिया।

सीएम योगी लखनऊ समेत इन 5 जिलों के लिए लेकर आए मेगा प्लान, दिल्ली-एनसीआर की तर्ज पर बनेगा लखनऊ-एससीआर

(जीएनएस)।

योगी सरकार ने लखनऊ और आसपास के 5 जिलों सीतापुर, उन्नाव, हरदोई, बाराबंकी और रायबरेली को जोड़कर मेगा लखनऊ-एससीआर प्लान तैयार किया है। दिल्ली-एनसीआर की तर्ज पर राजधानी के आसपास के इलाकों को जोड़कर 26 हजार वर्ग किमी. में स्टेट कैपिटल रीजन (SCR) बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। पर्यटन और रोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह प्रोजेक्ट लाया गया है। साथ ही, इस इलाके को कृषि और शहरी विकास केंद्र के तौर पर विकसित करने की भी योजना है।

लखनऊ-एससीआर के बन जाने पर इस क्षेत्र में हाई स्पीड रेल और रोड कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को स्टेट कैपिटल रीजन (SCR) नाम दिया गया है। इससे आने वाले वर्षों में इन्फ्रास्ट्रक्चर से लेकर रोजगार और आधुनिकीकरण के लिहाज से प्रदेश के प्रमुख जिलों की तस्वीर बदल जाएगी। इस प्रोजेक्ट को दिल्ली-एनसीआर की तर्ज पर तैयार किया जाएगा।

CM Yogi की महत्वाकांक्षी योजना है लखनऊ-एससीआर

बता दें कि लखनऊ-एससीआर सीएम योगी की महत्वाकांक्षी योजना है। लखनऊ मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब की मौजूदगी में हाल ही में स्टेट कैपिटल रीजन के प्लान की पहली सर्वे रिपोर्ट पेश की गई है। कंसल्टेंट्स ने बताया कि रीजनल प्लान तैयार करने में अभी एक साल का समय लग सकता है। अगले 5 सालों में डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार होगी। सीएम योगी आदित्यनाथ कई बार कह चुके हैं कि निवेश और शहरी इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिहाज से उत्तर प्रदेश को अव्वल स्टेट बनाना उनकी प्राथमिकता है। एससीआर प्रोजेक्ट की डिटेल की उन्होंने खुद निगरानी की है।

बिहार : जीतन राम मांझी की 20 सीटों की डिमांड से बढ़ी टेंशन

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले एनडीए खेमे में सीट बंटवारे की रस्साकशी तेज होती जा रही है। छोटे सहयोगी दल अब अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने के मूड में हैं। हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) के संस्थापक और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने साफ कर दिया है कि उनकी पार्टी इस बार महज 'साइलेंट पार्टनर' नहीं बनेगी। मांझी ने 20 सीटों की डिमांड पेश कर एनडीए के भीतर हलचल बढ़ा दी है।

मांझी की दलील -सीटें बढ़ें ताकि पार्टी को मिले राष्ट्रीय पहचान

मांझी का कहना है कि उनकी पार्टी ने पिछले चुनाव में 7 सीटों पर दमखम दिखाया और 4 पर जीत दर्ज की थी। इस बार जनाधार और समर्थन को देखते हुए सीटें बढ़ाई जानी चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि अगर उनकी पार्टी कम से कम 8 सीटें जीतती है, तो राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल कर सकती है। यही वजह है कि सीट बंटवारे में उनकी हिस्सेदारी पहले से कहीं ज्यादा होनी चाहिए।

अपने राष्ट्रीय अधिवेशन में मांझी ने और भी सख्त लहजा अपनाया। उन्होंने कहा कि पैसा नहीं, लेकिन जनता का समर्थन उनके पास है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भीड़ जुटाना सबके बस की बात नहीं है - प्रधानमंत्री मोदी की गया रैली में जो भारी भीड़ उमड़ी थी, वह उनकी ताकत को दिखाता है। उन्होंने संकेत दिया कि अगर एनडीए में उनकी बात नहीं सुनी गई तो 2015 की तरह 'अलग राह' चुनने में भी देर नहीं करेंगे।

मांझी ने उदाहरण देते हुए कांशीराम और मायावती का जिक्र किया और कहा कि शुरूआती दौर में भले ही वे ज्यादा सीटें न जीत पाए, लेकिन उनके वोट शेयर ने पार्टी को पहचान दिलाई और यही आगे चलकर उन्हें सत्ता तक ले गया। उन्होंने साफ कहा - "हम मेहनत करें और नाम कोई और ले जाए, यह अब नहीं चलेगा।"

मांझी के बयान के बाद गठबंधन के भीतर बेचैनी बढ़ी है। हालांकि, जेडीयू ने इस विवाद से दूरी बना ली है। जेडीयू के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने स्पष्ट किया कि बीजेपी और जेडीयू के बीच सीट बंटवारे का कोई झगड़ा नहीं है।

प्रधानमंत्री आवास योजना - शहरी के 2.0 अंतर्गत अंगीकार 2025 अभियान का शुभारंभ

माननीय आवास और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल ने 4 सितंबर 2025 को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास योजना - शहरी 2.0 (पीएमएवाई-यू 2.0) के अंतर्गत लास्ट माइल आउटरीच अभियान "अंगीकार 2025" का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में माननीय आवास और शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू भी उपस्थित थे। इस अवसर पर आवास और शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव श्री श्रीनिवास कटिकिथला, सभी के लिए आवास (एचएफए) के संयुक्त सचिव और मिशन निदेशक (जेएस एवं एमडी) श्री कुलदीप नारायण और मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

ईद-ए-मिलाद के मौके पर श्रीनगर में बवाल, प्रदर्शनकारियों ने अशोक स्तंभ तोड़ा

(जीएनएस)। श्रीनगर के ऐतिहासिक हजरतबल दरगाह में ईद-ए-मिलाद के मौके पर शुक्रवार (5 सितंबर) को भारी बवाल हो गया। दरगाह के नवीनीकरण के दौरान लगाए गए मार्बल शिलापट्ट को लेकर लोगों ने जमकर विरोध किया। दरअसल स्थानीय लोग दरगाह में प्रतिमा लगाए जाने का विरोध कर रहे थे। स्थानीय प्रदर्शनकारियों का कहना है कि मस्जिद परिसर में प्रतिमा जैसी आकृति लगाना इस्लामिक मान्यताओं के खिलाफ है।

इसी गुस्से में भीड़ ने शिलापट्ट पर उकेरे गए अशोक स्तंभ को तोड़ दिया। यह वही शिलापट्ट है, जिसका उद्घाटन तीन दिन पहले ही जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड की चेयरपर्सन डॉ. दरख्शां अंद्राबी ने किया था। प्रदर्शनकारियों ने ईंट से लेकर शिलापट्ट को तोड़ दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

वीडियो में दिख रहा है कि भारी भीड़ इसमें कुछ लोग पत्थर मारकर शिलापट्ट पर बनी आकृति को नुकसान पहुंचाते नजर आ रहे हैं। शिलापट्ट पर वक्फ बोर्ड और डॉ. अंद्राबी का नाम भी अंकित था। नवीनीकरण परियोजना के उद्घाटन के बाद डॉ. अंद्राबी ने एक्स पर तस्वीरें साझा करते हुए कहा था कि यह एक सपना साकार होने के जैसा है। उन्होंने कहा कि इस सौंदर्यीकरण परियोजना से हजरतबल दरगाह को देश और क्षेत्र की सबसे खूबसूरत दरगाह के रूप में विकसित किया जाएगा।

इस प्रोजेक्ट को लेकर केंद्रीय अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री किरन रिजिजू ने भी बधाई दी थी। उन्होंने कहा था कि 1968 के बाद पहली बार दरगाह के आंतरिक हिस्से में इतना बड़ा बदलाव हुआ है। रिजिजू के अनुसार नया डिजाइन कश्मीर की पारंपरिक कला और आधुनिकता का संगम है और यह जम्मू-कश्मीर की आध्यात्मिक धरोहर के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है।

श्रीनगर में ईद-ए-मिलाद के मौके पर किसी भी तरह की अव्यवस्था से निपटने के लिए सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए थे। इसके बावजूद भी प्रदर्शनकारियों में दरगाह में जमकर तोड़फोड़ मचाई और इस वजह से तनाव का माहौल बन गया है। हालांकि, स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है और किसी तरह की नुकसान की

राजस्थान विधानसभा से पूर्व उपराष्ट्रपति की पेंशन मंजूर

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कुछ दिन पहले विधायक की पेंशन के लिए आवेदन किया था। धनखड़ 1993 से 1998 तक राजस्थान

विधानसभा में किशनगढ़ सीट से विधायक रहे थे। पूर्व उपराष्ट्रपति ने उस बार कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीता था। 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उन्होंने वाइस प्रेसिडेंट के पद से इस्तीफा दिया था। अब वह उपराष्ट्रपति के अलावा विधायक को मिलने वाली पेंशन के भी लाभार्थी हैं।

राजस्थान विधानसभा ने पूर्व विधायक की पेंशन मंजूर कर दी है।

आपदा राहत राशि पर श्वेतपत्र जारी करे सुक्खू सरकार: अनुराग ठाकुर

(जीएनएस)।

हिमाचल प्रदेश में आपदा राहत राशि को लेकर सियासत तेज हो गई है। हमीरपुर सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने सुक्खू सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि हिमाचल डिसास्टर रिलीफ फण्ड का सही उपयोग नहीं हुआ।

हिमाचल प्रदेश में हर साल बरसात और भूस्खलन से भारी तबाही होती है। ऐसे हालात में राहत और पुनर्वास कार्य सबसे बड़ा सवाल बन जाते हैं। इसी मुद्दे पर हमीरपुर के सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने प्रदेश की सुक्खू सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि आपदा की घड़ी में राज्य सरकार जनता को राहत देने में नाकाम रही और अब तक यह स्पष्ट नहीं है कि केंद्र से आई भारी भरकम राशि आखिरकार कहाँ और कैसे खर्च की गई।

श्वेतपत्र जारी करे सरकार-अनुराग ठाकुर

अनुराग ठाकुर ने एक प्रेस कांफ्रेंस में साफ कहा कि जब भी किसी राज्य में आपदा आती है तो सबसे पहले राज्य सरकार नुकसान का स्टीमेट बनाकर केंद्र सरकार को भेजती है। इसके बाद केंद्र की टीमें मौके पर जाकर सर्वेक्षण करती हैं और तय करती हैं कि कितनी आर्थिक मदद दी जाएगी। यह राशि अलग-अलग मदों में आती है - SDRF , SDMF और NDRF ।

उन्होंने कहा कि इसके बाद यह राज्य सरकार के अधीन होता है कि वह पैसा कहाँ खर्च करे। लेकिन कई बार इसका भारी दुरुपयोग जिला और राज्य स्तर पर देखने को मिलता है। ठाकुर ने कहा:

"देखना चाहिए कि जिस ज़िले में नुकसान हुआ, क्या वहाँ पर्याप्त पैसा पहुँचा? और क्या वह पैसा उसी प्रभावित क्षेत्र में खर्च हुआ या कहीं और बाँट दिया गया? राहत राशि का 'बंदरबांट सिस्टम' नहीं होना चाहिए। राज्य सरकार को चाहिए कि एक श्वेतपत्र जारी करे कि केंद्र से कितनी राशि आई और उसे कहाँ-कहाँ खर्च किया गया।

'विक्ट्री चाहिए बिहार में और फैक्ट्री देंगे गुजरात में' : लालू यादव

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में अब बहुत कम समय बचा है। बैठकों से लेकर चुनावी रणनीति बनाने और सीट बंटवारे के लिए दिल्ली से लेकर पटना तक हलचल मची हुई है। सोशल मीडिया पर भी सभी दलों के बड़े नेता आक्रामक ढंग से चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। इन सबके बीच आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव ने सीधे पीएम नरेंद्र मोदी पर हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट के जरिए पीएम पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बिहार में गुजराती फॉर्मूला नहीं चलेगा।

बता दें कि इस महीने पीएम मोदी का पूर्णिया दौरा प्रस्तावित हैं, जहां से वह सीमांचल के लिए कई बड़े ऐलान कर सकते हैं। चुनावी मौसम में बिहार सरकार और केंद्र सरकार की ओर से लगातार कई बड़े ऐलान कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने शिक्षक दिवस पर गुरुजनों का ऋण स्वीकार करते हुए शिक्षक कल्याण निधि में अंशदान किया

गांधीनगर, 5 सितंबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने 5 सितंबर शिक्षक दिवस पर गुरुवर्यों के सामाजिक दायित्व का ऋण स्वीकार करते हुए शिक्षक कल्याण निधि में अपना अंशदान अर्पण किया।

गांधीनगर शहर तथा जिले के विभिन्न पाँच विद्यालयों एवं केन्द्रीय विद्यालय के बच्चे शिक्षक कल्याण निधि में स्वैच्छिक अंशदान लेने के लिए शुक्रवार सुबह मुख्यमंत्री के निवास स्थान पर पहुँचे थे।

आजीवन शिक्षक एवं पूर्व राष्ट्रपति दिवंगत डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती यानी 5 सितंबर को देशभर में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है।

व्यक्ति एवं समाज के निर्माण में शिक्षकों के योगदान का ऋण स्वीकार करते हुए सभी इस दिन शिक्षक कल्याण निधि में स्वैच्छिक योगदान के रूप में अंशदान देते हैं।

मुख्यमंत्री ने भी शिक्षक दिवस के अवसर पर अपना व्यक्तिगत अंशदान अर्पित कर गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

उन्होंने अंशदान लेने आए स्कूली बच्चों के साथ सहज संवाद कर शिक्षकों के प्रति उनके आदर भाव का आदान-प्रदान भी किया।

इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी, जिला पुलिस अधीक्षक, जिला शिक्षाधिकारी, प्राथमिक शिक्षाधिकारी तथा विद्यालयों के शिक्षक भी उपस्थित रहे।

55 की उम्र में सूर्यवंशी फेम आशीष वारंग का निधन, अमिताभ बच्चन से क्या था कनेक्शन

मराठी और हिंदी सिनेमा की दुनिया में एक और सितारा टूट गया। 'सूर्यवंशी', 'मदार्नी', 'सिम्बा' और 'एक विलेन रिटर्न्स' जैसी फिल्मों में अपनी शानदार सहायक भूमिकाओं से दर्शकों का दिल जीतने वाले एक्टर आशीष वारंग अब

हमारे बीच नहीं रहे। महज 55 साल की उम्र में 5 सितंबर 2025 को उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया। इस खबर ने बॉलीवुड और मराठी सिनेमा जगत को शोक में डुबो दिया है। आशीष की मौत का कारण अभी तक साफ नहीं हुआ है, लेकिन कुछ रिपोर्ट्स का कहना है कि वह लंबे समय से बीमार थे।

गरवी गुजरात
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2002

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
गरवी गुजरात हिंदी चेनल देखिये

सम्पादकीय

पंजाब में बारिश का कहर 1988 के बाद की सबसे भीषण बाढ़

वैज्ञानिक बार-बार चेता रहे थे कि प्रकृति से इतनी छेड़छाड़ न करो पर मनुष्य इस चेतावनी को नजरअंदाज करता चला गया। नतीजा सामने है। जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम में भारी परिवर्तन आया है। उत्तर भारत में सितम्बर में भी बाढ़-बारिश और भूस्खलन का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश से पंजाब और दिल्ली तक कई इलाके बाढ़ से बेहाल हैं। हिमाचल में भूस्खलन की अलग-अलग घटनाओं में कई लोगों की मौत हुई है। कई घायल हैं और कई लापता। पंजाब के सभी 23 जिलों में 1200 से अधिक गांव बाढ़ की चपेट में हैं। 3.75 लाख एकड़ वृषि भूमि खासकर धान के खेत पानी में डूब गए हैं। फिरोजपुर मंडल में 16 ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। हिमाचल में रायपुर में चलती बस पर चट्टान गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। बिलासपुर में 9 घर ढह गए हैं। मृतकों की संख्या 7 हो गई है। वुल्लू में दो लोग मलबे में दब गए। 7 नेशनल हाईवे समेत 1,155 सड़वें, 2,477 बिजली ट्रांसफार्मर और 720 पेयजल योजनाएं ठप रही। वहीं छत्तीसगढ़ व बलरामपुर जिले में बांध का एक हिस्सा टूटने से आई बाढ़ में 4 लोगों की मौत हो गई, जिनमें दो महिलाएं थीं। माता वैष्णो देवी के ट्रैक पर बुधवार को फिर भूस्खलन हुआ, लेकिन यात्रा बंद रहने से बड़ा हादसा टल गया। जम्मू-कश्मीर में राजौरी जिले के सुंदर बनी तहसील में मकान गिरने से मां-बेटी की मौत हो गई। पंजाब में दर्जनों पशु पानी में बह गए। पंजाब में बारिश का कहर जारी है। राज्य इस समय 1988 के बाद की सबसे भीषण बाढ़ से जूझ रहा है। अब तक 29 लोगों की मौत हो चुकी है और 2.56 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं, जिनमें गुरदासपुर, पठानकोट, फाजिल्का, कपूरथला, तरनतारन, फिरोजपुर, होशियारपुर और अमृतसर शामिल हैं। पीएम नरेन्द्र मोदी ने सीएम भागवत मान से जानकारी ली है। पाकिस्तान के पंजाब में बाढ़ से प्रभावित करतारपुर कॉरिडोर परिसर अब भी श्रद्धालुओं के लिए बंद है। गुरुद्वारा दरबार साहिब में सेना और सिविल प्रशासन बहाली कार्य में जुटे हैं। अत्यंत दुख की बात है कि इस समय लगभग सारी यात्राएं बाढ़ के कारण बंद हैं। केदारनाथ धाम बंद, बद्रीनाथ धाम बंद, माता वैष्णो देवी धाम बंद, त्रषिकेश के घाट बंद, किन्नर वैलाश बंद, अमरनाथ यात्रा बंद ये सब यात्रा है जहां जाकर साक्षात भगवान के दर्शन होते हैं। वुछ तो गलती कर रहे हैं इंसान की भगवान भी मुंह मोड़ रहे हैं। इस जगह को पर्यटक स्थल न बनाएं। सिर्प भक्ति के लिए ही जाएं। बहुत वुछ संकेत प्रकृति हमको दे रही है। अगर अब भी नहीं चेते तो यह कहना गलत नहीं होगा कि प्रकृति ऐसा बदला लेगी कि लोग भूल नहीं सवेंगे। ट्रेलर तो देखने को मिल ही रहा है। यह बताना भी जरूरी है कि इस समय देश में कई नदियां उफान पर हैं। इसके अलावा 21 जगहों पर बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। 33 जगहों पर नदियों का जलस्तर सामान्य से ऊपर चल रहा है। सीडब्ल्यूसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि 21 गंभीर बाढ़ प्रभावित स्थानों में से 9 बिहार में, 8 उत्तर प्रदेश में और एक-एक दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, पश्चिम बंगाल और झारखंड में है। वहीं व्यास, सतलुज, चिनाव, रावी, अलकनंदा और भागीरथी नदियों में जलस्तर अचानक बढ़ने की आशंका है। इस बार बारिश सिर्फ पर्वतीय राज्यों तक सीमित नहीं है इस बार मैदानी राज्यों में भी कहर ढा रही है। इसका कारण सिर्प ज्यादा वर्षा होना नहीं है, इसका एक बड़ा कारण यह भी है कि कमजोर आधारभूत ढांचे का निर्माण और जल निकासी के उपयुक्त उपाय न होना भी है। यही कारण है कि नए पुल, नई बनी सड़के भी बाढ़ के कारण ताश के पत्तों की तरह ढह रही है।

स्थिति यह है कि महानगर तक की सड़वें यहां तक कि एक्सप्रेसवे और हाईवे तक में जल निकासी के पर्याप्त इंतजाम नदारद हैं। बाढ़ के बाद डेंगूमलेरिया जैसी बीमारियों के पैलने का खतरा भी बढ़ जाता है। फिलहाल संकट से निपटने के लिए जिन तत्कालिक उपायों की जरूरत हैं, उन पर तो सरकार ध्यान देगी ही, हैरत की बात तो अलबत्ता यह है हर साल बारिश के मौसम में ऐसी ही स्थिति खड़ी होने पर भी हम खुद को वहीं के वहीं खड़े पाते हैं। हमें यह समझना होगा कि प्रकृति के साथ समंजस्य बनाए बगैर हम ऐसी आपदाओं को बार-बार झेलने के लिए मजबूर होंगे।

6 सितंबर : राष्ट्रीय पुस्तक पढ़ें दिवस : गुजरात के नागरिकों को पठन-पाठन के प्रति प्रेरित करने के लिए राज्यभर में 197 सरकारी पुस्तकालय कार्यरत, नए 71 सरकारी पुस्तकालयों के निर्माण को मंजूरी

● राज्य के मध्यस्थ पुस्तकालयों में प्रतिदिन 500 से अधिक, जबकि जिला पुस्तकालयों में प्रतिदिन 150 से अधिक पाठक लेते हैं पठन का लाभ

● गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नागरिकों को पठन के लिए प्रेरित करने हेतु 'वांचे गुजरात' अभियान चलाया था

गांधीनगर, 5 सितंबर : गुजरात के नागरिक नियमित पठन-पाठन के प्रति प्रेरित हों; इस उद्देश्य से गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री तथा भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2010 में 'वाँचे गुजरात' (पढ़े गुजरात) अभियान चलाया था। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान गुजरात के सभी पुस्तकालयों को ग्रंथों-पुस्तकों से समृद्ध बनाने का आयोजन किया था। पुस्तक पठन के महत्व को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात सरकार राज्यभर में सरकारी पुस्तकालयों की संख्या बढ़ाने पर ध्यान केन्द्रित कर रही है।

गत वर्ष राज्य के 21 जिलों की 50 तहसीलों तथा 7 आदिजाति जिलों की 14 तहसीलों में कुल 64 सरकारी पुस्तकालय शुरू करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया था। इनमें से 53 सरकारी पुस्तकालय कार्यरत हो चुके हैं और 11वें का कार्य प्रगति पर है। आज समग्र गुजरात में कुल 197 सरकारी पुस्तकालय कार्यरत हैं तथा इस वर्ष तहसील स्तर पर 71 नए सरकारी पुस्तकालयों के निर्माण को राज्य सरकार ने मंजूरी दी है। इसके बाद राज्य की सभी तहसीलों में सरकारी पुस्तकालय कार्यरत हो जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि हर वर्ष 6 सितंबर का दिन 'नेशनल रीड अ बुक डे' यानी 'राष्ट्रीय पुस्तक पढ़ें दिवस' दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिवस हर व्यक्ति को

पुस्तक पढ़ने का आनंद उठाने के लिए अपनी दिनचर्या से समय निकालने को प्रेरित करता है। यह दिवस मनाने का उद्देश्य हर व्यक्ति को पठन-पाठन की गतिविधि में रुचि लेने हेतु प्रोत्साहित करना है, जिससे वे पठन-पाठन प्रवृत्ति को अपना सकें और उसका आनंद ले सकें।

राज्य में 33 जिला पुस्तकालय तथा 150 तहसील पुस्तकालय

राज्य में कुल 197 सरकारी पुस्तकालय कार्यरत हैं, जिनमें 33 जिला पुस्तकालय एवं 150 तहसील पुस्तकालय सहित मध्यस्थ पुस्तकालय, चलते-फिरते पुस्तकालय, राज्य केन्द्रीय आरक्षित ग्रंथ भंडार, स्टेट आर्ट लाइब्रेरी तथा महिला ग्रंथालय शामिल हैं।

मध्यस्थ पुस्तकालयों में प्रतिदिन 500 से अधिक, जबकि जिला पुस्तकालयों में प्रतिदिन 150 से अधिक पाठक

राज्यभर में स्थित सरकारी पुस्तकालय नागरिकों को पठन-पाठन के लिए प्रेरित करते हैं। राज्य के मध्यस्थ पुस्तकालयों में प्रतिदिन 500 से अधिक नागरिक पठन-पाठन का लाभ ले रहे हैं, जबकि जिला पुस्तकालयों में प्रतिदिन 150 से अधिक पाठक पठन-पाठन का लाभ ले रहे हैं। राज्य के जिन जिला पुस्तकालयों में पठन-पाठन की सुविधा उपलब्ध है, वहाँ प्रतिदिन 250 से अधिक पाठक पठन-पाठन का लाभ ले रहे हैं तथा तहसील पुस्तकालयों में भी 100 से अधिक पाठक प्रतिदिन पढ़ने का लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

आदिजाति समुदाय भी प्राप्त कर रहे हैं पठन-पाठन का लाभ

राज्य के आदिजाति क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी समुदायों के लोगों में पठन-पाठन के प्रति रुचि जागृत हो तथा वे पठन-पाठन के प्रति प्रेरित हों; इस उद्देश्य से राज्य की सभी आदिवासी बहुल तहसीलों में भी पुस्तकालय कार्यरत किए गए हैं। राज्य के 7 आदिजाति जिलों की 14 तहसीलों में पुस्तकालय शुरू किए गए हैं, जिनके माध्यम से आदिजाति समुदाय को भी पठन-पाठन सेवा का लाभ मिल रहा है।

गुजरात : राज्य स्तरीय श्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार समारोह-2025 संपन्न

● मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों से राज्य के 30 शिक्षकों को 'श्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार' अर्पण : पाँच प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

* शिक्षक समुदाय विद्यार्थियों में स्वदेशी एवं राष्ट्र प्रथम का भाव जागृत कर प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के विजन को साकार करे

* आजीवन शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस पर श्रेष्ठ शिक्षक सम्मान 'राइट जॉब एट राइट टाइम'

* जीवन निर्माण में माता-पिता के बाद शिक्षक का योगदान महत्वपूर्ण; इसमें रक्त का नहीं, बल्कि वात्सल्य का संबंध होता है

● एआई प्रशिक्षण दे सकता है, लेकिन विद्यार्थियों में संस्कारों का सिंचन तो शिक्षक ही कर सकते हैं : मंत्री डॉ. कुबेरभाई डिंडोर

गांधीनगर, 5 सितंबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद में शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय श्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार समारोह में शिक्षकों को संबोधित करते हुए उनसे विद्यार्थियों में बचपन से ही स्वदेशी के संस्कारों का सिंचन कर आत्मनिर्भर भारत के प्रधानमंत्री के सपने को साकार करने के लिए विद्यार्थियों के सच्चे पथदर्शक बनने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि आज का बच्चा कल का नागरिक है। ऐसे में उनमें आज से ही स्वदेशी एवं राष्ट्र प्रथम का भाव जागृत हो; यह जिम्मेदारी शिक्षकों को निभानी है।

इस कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री डॉ. कुबेरभाई डिंडोर की उपस्थिति में मुख्यमंत्री के करकमलों से राज्य के 30 शिक्षकों को 'श्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार' से सम्मानित किया गया तथा पाँच प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को भी सांकेतिक रूप से प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री की इस बात को दोहराते हुए कहा कि माता-पिता के बाद शिक्षक ही बालमानस पर गहरा प्रभाव डालते हैं। शिक्षक तथा विद्यार्थी के बीच रक्त का नहीं, बल्कि वात्सल्य का संबंध है। माता-पिता के बाद शिक्षक

ही बालमानस पर सर्वाधिक प्रभाव डालते हैं। ऐसे में उन्होंने सभी शिक्षकों से भावी पीढ़ी का निर्माण कर विकसित गुजरात द्वारा विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने की अपील की।

श्री पटेल ने कहा कि हम अपने जीवन में किसी भी काम को छोटा न समझें, बल्कि जो कार्य करने का सौभाग्य मिला हो, उसे अच्छी तरह करना ही सच्चा शिक्षा कार्य है।

उन्होंने आजीवन शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की 137वीं जयंती के अवसर पर पुरस्कार प्राप्त करने वाले सभी शिक्षकों तथा विद्यार्थियों को अभिनंदन दिया और आज के दिन श्रेष्ठ शिक्षा सम्मान मिलने को 'राइट जॉब एट राइट' टाइम बताते हुए कहा कि किसी भी समाज की सुदृढ़ नींव शिक्षा ही है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने बोझ रहित शिक्षा को प्रोत्साहन देकर माता-पिता के आर्थिक बोझ को भी हल्का किया है। श्री पटेल ने जीएसटी सुधारों के लिए प्रधानमंत्री तथा केन्द्रीय वित्त मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अभी दो दिन पहले ही देश में नेक्स्ट जेन जीएसटी सुधारों का ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। इन ऐतिहासिक सुधारों में भी प्रधानमंत्री ने शिक्षा क्षेत्र का विशेष ध्यान रखा है, जिससे शैक्षणिक वस्तुओं के दाम भी घटेंगे।

श्री पटेल ने आचार्य चाणक्य के सूत्र को याद कर शिक्षक की महत्ता के विषय में कहा कि गुरु भगवान के भी दर्शन करा सकते हैं। प्राचीनकाल से भारत में ज्ञान का दर्शन करने वाले ये गुरु ही हैं। उन्होंने स्वामी विवेकानंद का स्मरण करते हुए कहा कि शिक्षा व्यक्ति को चरित्रवान बनाती है। शिक्षा की सकारात्मकता सबसे बड़ी पूंजी है।

उन्होंने नई शिक्षा नीति, बेटियों के लिए नमो लक्ष्मी व नमो सरस्वती जैसी योजनाओं सहित केन्द्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की चर्चा कर सभी से उनका लाभ लेने और विकसित भारत@2047 के प्रधानमंत्री के सपने को साकार करने में साथ मिलकर जुड़ने का अनुरोध किया।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री डॉ. कुबेरभाई डिंडोर ने भगवान श्री कृष्ण, आचार्य चाणक्य, विनोबा भावे तथा काकासाहब कालेलकर के उदाहरण देते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति के विकास में गुरुओं का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने छात्रकेन्द्री व समाजकेन्द्री लक्ष्य रखकर अथक परिश्रम द्वारा विद्यार्थियों में चरित्र निर्माण का कार्य करने वाले शिक्षकों की प्रशंसा की। उन्होंने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास द्वारा समग्र राज्य की भी अच्छी छवि उभारने के लिए शिक्षकों को अभिनंदन दिया।

इस अवसर पर उन्होंने शिक्षा जगत के नोबल पुरस्कार समान ग्लोबल टीचर प्राइज प्राप्त करने वाले महाराष्ट्र के परितेवाडी गाँव के शिक्षक रंजीत सिंह दिसाले का अनुकरणीय उदाहरण भी दिया।

डॉ. विवेक बिंद्रा : लंबी कानूनी लड़ाई के बाद मिली क्लीन चिट

(जीएनएस)।

देश के मशहूर मोटिवेशनल स्पीकर और बिजनेस कोच डॉ. विवेक बिंद्रा को आखिरकार सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिल गई है। पिछले कुछ सालों से लगातार विवादों और मुकदमों में घिरे रहने के बाद अब अदालत ने उन्हें सभी मामलों से बरी कर दिया है।

सोशल मीडिया पर एक समय उनकी खूब आलोचना हुई। कई लोग उन्हें ट्रोल करते रहे और उनके बिजनेस मॉडल को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए गए। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने न केवल डॉ. विवेक बिंद्रा की छवि को साफ किया है, बल्कि उनके समर्थकों और लाखों युवाओं के लिए भी यह खबर किसी जीत से कम नहीं मानी जा रही।

विवादों में घिरे थे बिंद्रा और उनकी कंपनी

कुछ समय पहले डॉ. विवेक बिंद्रा और उनकी कंपनी बड़ा बिजनेस प्राइवेट लिमिटेड पर धोखाधड़ी और झूठे वादों के आरोप लगे थे। उनके खिलाफ देशभर में केस दर्ज किए गए थे। आरोप यह भी था कि कंपनी मनी

मेकिंग चेन जैसी स्कीम्स से लोगों को जोड़कर उन्हें लाखों कमाने का सपना दिखाती थी। साथ ही, उनके कुछ कोर्सेज जैसे 10 Day MBA को लेकर भी सवाल उठाए गए थे।

आलोचनाओं और ट्रोलिंग का किया सामना

इन आरोपों के दौरान डॉ. विवेक बिंद्रा को सोशल मीडिया पर खूब आलोचना और ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। हालांकि उन्होंने संयम रखते हुए हर केस को कोर्ट में चुनौती दी और अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद उन्हें सभी मामलों में क्लीन चिट मिल चुकी है।

बिंद्रा की प्रतिक्रिया

फैसले के बाद डॉ. विवेक बिंद्रा ने कहा कि सच की जीत हमेशा होती है और इस बार भी वही साबित हुआ है। उन्होंने इसे उन लाखों युवाओं और उद्यमियों की जीत बताया, जो सालों से उन पर भरोसा करते आए हैं।

सोशल इमेज पर सकारात्मक असर

एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस फैसले के बाद डॉ. विवेक बिंद्रा की छवि में बड़ा सुधार होगा। विवादों के कारण उनकी सोशल इमेज काफी प्रभावित हुई थी, लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट का फैसला उनके लिए एक नई शुरूआत साबित हो सकता है।

सालों से कर रहे हैं युवाओं को गाइड

डॉ. विवेक बिंद्रा लंबे समय से युवाओं और एंटरप्रेन्योर्स को मोटिवेट करने का काम कर रहे हैं। अपने यूट्यूब वीडियो और बिजनेस प्रोग्राम्स के जरिए वे लाखों लोगों को बिजनेस में आगे बढ़ने की राह दिखा चुके हैं। उनका लक्ष्य हमेशा युवाओं को रोजगार और उद्यमिता की दिशा में प्रोत्साहित करना रहा है।

7-8 सितंबर को ब्लड मून की साया, पृथ्वी, सूर्य और चंद्रमा एक सीध में आएंगे

(जीएनएस)।

आसमान में जब चंद्रमा लाल रंग की चादर ओढ़ लेता है, तो नजारा ऐसा होता है कि हर कोई देखता रह जाता है। जी हां, हम बात कर रहे हैं 7-8 सितंबर 2025 को होने वाले पूर्ण चंद्र ग्रहण की, जिसे 'ब्लड मून' भी कहा जाता है। इस दिन पृथ्वी, सूर्य और चंद्रमा एक सीध में आएंगे, और चांद अपने लाल रंग के जादू से सबको मंत्रमुग्ध कर देगा।

हिंदू परंपराओं में चंद्र ग्रहण का विशेष महत्व है, और इसके साथ कुछ खास नियम और सावधानियां भी जुड़ी हैं। तो आइए, जानते हैं इस 'ब्लड मून' के बारे में और ग्रहण के दौरान क्या करें और क्या छोड़ दें, ताकि आप इस खगोलीय घटना का आनंद लेते हुए नकारात्मक प्रभावों से भी बच सकें!

जब पूर्ण चंद्र ग्रहण होता है, तो पृथ्वी सूर्य और चंद्रमा के बीच आ जाती है, जिससे चांद पर सीधी सूरज की रोशनी नहीं पड़ती। इस दौरान पृथ्वी का वायुमंडल सूर्य की किरणों को मोड़ता है, और नीला प्रकाश बिखरने के बाद लाल-नारंगी रंग चंद्रमा तक पहुंचता है। नतीजा? चांद लाल रंग में नहा जाता है, जिसे 'ब्लड मून' कहते हैं। 7 सितंबर 2025 को 82 मिनट तक ये लाल चांद अपनी छटा बिखेरेगा। तो अपने कैलेंडर पर निशान लगाइए और इस खगोलीय नजारे का मजा लीजिए!

हिंदू परंपराओं में चंद्र ग्रहण को

एक आध्यात्मिक अवसर माना जाता है। इस दौरान कुछ खास अनुष्ठान और कार्य करने से सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। आइए जानते हैं क्या करें:

ध्यान और भक्ति में डूब जाएं: ग्रहण के समय ध्यान, भजन, और कीर्तन करें। ये आपके मन को शांत रखेगा और सकारात्मकता बढ़ाएगा।

चंद्र देव के मंत्र जपें: सूतक काल और ग्रहण के दौरान चंद्रमा को समर्पित मंत्रों का जाप करें, जैसे 'ॐ सों सोमाय नमः'।

स्नान का नियम: ग्रहण से पहले और बाद में स्नान करें। अगर संभव हो तो गंगा जल से स्नान करें, नहीं तो सादे पानी से भी काम चलेगा।

घर को शुद्ध करें: ग्रहण के बाद घर में गंगा जल छिड़कें। इससे नकारात्मक ऊर्जा दूर होगी।

महामृत्युंजय मंत्र का जाप: अगर आप बीमारी या मानसिक तनाव से जूझ रहे हैं, तो इस मंत्र का जाप करें - 'ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिम् पुष्टिवर्धनम्...'।

हनुमान चालीसा और बजरंग बाण: अगर आपको ग्रहण की नकारात्मक ऊर्जा का डर है, तो इनका पाठ करें। ये आपको सुरक्षा और शक्ति देगा।

पितृ पक्ष में गंगा स्नान: चूंकि ये ग्रहण पितृ पक्ष की पूर्णिमा पर होगा, गंगा नदी में स्नान करना विशेष फलदायी होगा।

पवित्र ग्रंथ पढ़ें: भागवत गीता, रामायण या अन्य धार्मिक ग्रंथों का पाठ करें।

गर्भवती महिलाओं के लिए खास टिप: ग्रहण शुरू होने से पहले गोद में पानी से भरा नारियल रखें। ग्रहण खत्म होने के बाद इसे बहते पानी में प्रवाहित करें। इससे बच्चे पर नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा।

खाने में तुलसी या कुशा: खाद्य पदार्थों में तुलसी के पत्ते या कुशा के बीज डालें, ताकि ग्रहण का असर न हो।

ग्रहण और सूतक काल के दौरान कुछ चीजों से बचना जरूरी है, ताकि नकारात्मक ऊर्जा से बचा जा सके:-

शुभ कार्य टालें: इस दिन शादी, गृह प्रवेश, नई गाड़ी खरीदना या नया बिजनेस शुरू करना टाल दें।

खाना न बनाएं, न खाएं: ग्रहण के दौरान भोजन बनाना या खाना वर्जित है। पहले से बना खाना तुलसी पत्र डालकर रखें।

शारीरिक संपर्क से बचें: ग्रहण या सूतक काल में अंतरंग संबंध बनाने से परहेज करें।

देवी-देवताओं की मूर्ति न छुएं: पूजा स्थल पर मूर्तियों को स्पर्श करने से बचें।

'तारक मेहता' के प्रोड्यूसर असित मोदी ने लोगों को दिया बड़ा झटका, 'दयाबेन' को लेकर नया ट्विस्ट

(जीएनएस)।

टीवी का फेमस शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के प्रोड्यूसर असित मोदी ने बताया है कि जब एक्ट्रेस दिशा वकानी ने ये सीरियल छोड़ा था, तो वह बेहद घबरा गए थे। लंबे समय तक उन्होंने इस किरदार को रिप्लेस करने के बारे में सोचा तक नहीं था।

नई दयाबेन को लेकर असित मोदी का बड़ा बयान

हालांकि अब शो के प्रोड्यूसर असित मोदी ने ये साफ कह दिया है कि हर हाल में शो में नई दयाबेन को लाना ही होगा। असित मोदी ने एक हालिया इंटरव्यू में कहा है- ये सवाल लोग मुझसे हमेशा पूछते हैं। सच कहूं तो मैंने पहले कभी खुलकर नहीं कहा, लेकिन 2017 में जब दिशा वकानी ने शो छोड़ा था, मैं बहुत डर गया था।

'दयाबेन का किरदार बदलना आसान नहीं था'

प्रोड्यूसर असित मोदी ने आगे बताया कि जेठालाल और दयाबेन की जोड़ी शो की जान थी। दयाबेन का बोलने का अंदाज और उनका अलग स्टाइल पूरे देश में मशहूर था। यही

वजह थी कि उन्होंने काफी समय तक दिशा की जगह किसी और को लाने की हिम्मत नहीं जुटाई। असित मोदी का मानना है कि दयाबेन का किरदार बदलना आसान नहीं है।

'दिशा वकानी ने फैमिली लाइफ को प्राथमिकता दी'

असित मोदी ने कहा कि उनके और दिशा के बीच अच्छे संबंध हैं और कभी कोई मनमुटाव नहीं रहा है। उन्होंने कहा- मैं हमेशा चाहता था कि दिशा वकानी शो में वापसी करें। मैंने उम्मीद भी रखी और प्रार्थना भी की, लेकिन उन्होंने अपनी फैमिली लाइफ को प्राथमिकता दी और मां बनने के बाद वापसी मुश्किल हो गई थी।

'दिशा का शो में लौटना संभव नहीं'

असित मोदी ने आगे कहा- महामारी के दौरान जब वह दूसरी बार मां बनीं, तो मुझे समझ आ गया था कि उनके लिए शो में लौटना आसान नहीं होगा। हम आज भी संपर्क में हैं और हाल ही में रक्षाबंधन भी साथ मनाया है।

अब शो में होगी नई दयाबेन की एंट्री?

असित मोदी ने कहा है कि उन्होंने साल 2022-23 से नई दयाबेन की तलाश शुरू कर दी है। उन्होंने कहा- हमारे शो ने हाल ही में 17 साल पूरे किए हैं। अब वक्त आ गया है कि शो को आगे बढ़ाने के लिए एक नई दयाबेन लानी ही होगी। पानी सिर के ऊपर जा चुका है। अब शो में नए दयाबेन की एंट्री होगी।

कितने बजे से लगेगा चंद्र ग्रहण का सूतक काल? क्या चांद का रंग होगा लाल?

(जीएनएस)।

7 सितंबर को साल 2025 का दूसरा चंद्र ग्रहण लगने जा रहा है, ये ग्रहण भारतीय समयानुसार रात 9 बजकर 58 मिनट पर शुरू होकर देर रात 1 बजकर 26 मिनट तक रहेगा और भारत में दिखाई देगा इसलिए इसका सूतक काल भी लगेगा। आपको बता दें कि चंद्र ग्रहण का सूतक काल 9 घंटे पहले लगता है इसलिए भारत में ये 7 सितंबर को दोपहर 12 बजकर 59 मिनट से प्रारंभ हो जाएगा यानी कि इस काल में में पूजा-पाठ और शुभ काम वर्जित होते हैं इसलिए मंदिरों के कपाट इस वक्त से बंद रहेंगे।

कहां-कहां दिखेगा

भारत , ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, हिंद महासागर, पश्चिमी प्रशांत महासागर, पूर्वी अटलांटिक महासागर और अंटार्कटिका में दिखेगा। बेंगलुरु के जवाहरलाल नेहरू तारामंडल ने पुष्टि की है कि यह पूर्ण चंद्रग्रहण बेंगलुरु सहित पूरे भारत में दिखाई देगा, बशर्ते आसमान साफ रहे। यह दुर्लभ खगोलीय घटना 82 मिनट तक पूर्ण चंद्रग्रहण के रूप में रहेगी, जिसके दौरान चंद्रमा पृथ्वी की छाया से गुजरते हुए गहरे लाल रंग में बदल जाएगा।

क्या है 'ब्लडमून'?

ये ग्रहण पूर्ण है इसलिए इसे 'ब्लडमून' भी कहा जा रहा है। लाल रंग का मतलब यहां पर चांद के लाल होने से नहीं है बल्कि इसका अर्थ लाल-नारंगी प्रकाश से है। जब पृथ्वी का वायुमंडल सूर्य की रोशनी को मोड़ देता है तब लाल रंग की किरणें पृथ्वी की सतह से होकर गुजरकर चंद्रमा तक पहुंचती हैं। जिससे उस समय चंद्रमा पर लालिमा छा जाती है जिसे कि 'ब्लडमून' कहते हैं।

कब होता है 'पूर्ण चंद्र ग्रहण'

आपको बता दें कि जब सूर्य, पृथ्वी और चंद्रमा एक सीध में होते हैं तो 'पूर्ण चंद्र ग्रहण' लगता है। ज्योतिष शास्त्र में ग्रहण को राहु और केतु की छाया से जोड़कर देखा जाता है। ये माना जाता है कि चंद्र ग्रहण का असर व्यक्ति के मानसिक, पारिवारिक और आर्थिक जीवन पर भी पड़ सकता है इसलिए ग्रहणकाल में सभी को ध्यान करने को कहा जाता है और ग्रहण काल के बाद स्नान- दान करने को बोला जाता है, जिससे निगेटिव चीजें दूर हों।

करें इन मंत्रों का जाप

गायत्री मंत्र का करें जाप

'ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्।' ये हर मर्ज की काट है इसलिए ग्रहणकाल में इसे कम से कम कम 5-10 बार जरूर करना चाहिए।

हनुमान जी का स्मरण करना चाहिए

'ॐ हं हनुमते नमः का जाप (108 बार)

'ॐ नमो भगवते आञ्जनेयाय महाबलाय स्वाहा' (51 बार)

'ॐ आञ्जनेयाय विद्महे वायुपुत्राय धीमहि। तन्नो हनुमान् प्रचोदयात्।' (111 बार)

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

अहमदाबाद मण्डल के टिकट चेकिंग स्टाफ का सराहनीय कार्यः ट्रेन में छूटा लैपटॉप वाला बैग यात्री को सुरक्षित लौटाया

(जीएनएस)।

पश्चिम रेलवे पर अहमदाबाद मंडल के समर्पित कर्मचारी अपने सम्मानीय ग्राहकों को सुखद और सुरक्षित यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए हमेशा आगे रहते हैं। इसी क्रम में अहमदाबाद मण्डल में कार्यरत श्री शकील अहमद उप मुख्य टिकट निरीक्षक ने ईमानदारी का परिचय देते हुए एक यात्री द्वारा ट्रेन में छोड़ा गया कीमती बैग, जिसमें एक लैपटॉप एवं अन्य कीमती वस्तुएं थीं जिसकी अनुमानित कीमत लगभग ₹2 लाख होगी, को ढूंढ कर सुरक्षित रूप से यात्री को लौटाया गया।

गाड़ी संख्या 09208 में, कोच संख्या अ/1, बर्थ संख्या 30 पर यात्रा कर रहे यात्री श्री संदीप पंड्या, जो अहमदाबाद से बोरीवली की यात्रा कर रहे थे, अपना काला बैग ट्रेन में भूल गए थे। यह बैग ड्यूटि पर कार्यरत उप मुख्य टिकट निरीक्षक (Dy CTI) श्री शकील अहमद को जांच के दौरान मिला उन्होने तत्पर कार्यवाही करते हुए बैग को सुरक्षित यात्री को लौटाया।

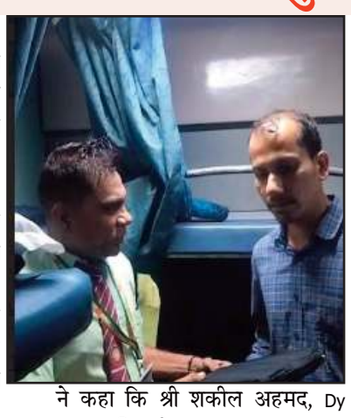

इस सराहनीय कार्य के लिए यात्री ने कहा कि श्री शकील अहमद, Dy CTI का दिल से धन्यवाद करना चाहता हूँ, उन्होंने मेरी हाल की ट्रेन यात्रा के दौरान मेरा लैपटॉप बैग लौटाने में जो मदद की, वह वास्तव में सराहनीय है। उनके त्वरित प्रयासों ने न केवल मेरा कीमती समय बचाया, बल्कि मुझे एक बड़ी असुविधा और खर्च से भी बचा लिया।

मैं उनके यात्रियों के प्रति उत्तरदायित्व की भावना और समर्पण की सच्ची सराहना करता हूँ। उनकी सहायता ने वास्तव में मेरी बहुत बड़ी मदद की है और मैं उनके इस सहयोग के लिए हृदय से आभारी हूँ।

पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन - भावनगर मंडल द्वारा शिक्षक दिवस पर रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन

शिक्षक दिवस के अवसर पर पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन द्वारा संचालित बाल मंदिर और किड्स हट के अध्यापकों की ओर से भावनगर डिवीजन में दिनांक 05.09.2025 (शुक्रवार) को एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर संगठन की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी वर्मा, उपाध्यक्ष श्रीमती मोनिका शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान अध्यापकों ने विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिन्हें सभी ने सराहा।

महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी वर्मा ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए समाज निर्माण में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षक ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखते हैं और उन्हें सही दिशा प्रदान करते हैं। इस अवसर पर शिक्षकों को उपहार भेंट कर सम्मानित भी किया गया।

पश्चिम रेलवे ने अप्रैल से अगस्त, 2025 के दौरान गहन टिकट जांच अभियानों से प्राप्त किया 84.20 करोड़ रुपये का जुमार्ना

मुंबई,

एसी उपनगरीय लोकल से प्राप्त किया गया 1.20 करोड़ रुपये का जुमार्ना

पश्चिम रेलवे द्वारा सभी वैध यात्रियों को सुगम, आरामदायक यात्रा और बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए मुंबई उपनगरीय लोकल ट्रेनों, मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों, पैसेंजर ट्रेनों तथा हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों में बिना टिकट/अनियमित यात्रियों पर अंकुश लगाने हेतु निरंतर गहन टिकट जांच अभियान चलाए जा रहे हैं। पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ वाणिज्य अधिकारियों की देखरेख में टिकट जांच दलों द्वारा अप्रैल से अगस्त, 2025 की अवधि में विविध टिकट जांच अभियानों के माध्यम से कुल 84.20 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त की गई, जो गत वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 35% से अधिक है, साथ ही रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित लक्ष्य से लगभग 13% अधिक है। इस राशि में मुंबई उपनगरीय खंड से लगभग 23 करोड़ रुपये की राशि भी शामिल है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अगस्त, 2025 के दौरान बिना टिकट/अनियमित यात्रा तथा बिना बुक किए गए सामान से जुड़े 2.39 लाख मामलों का पता लगाकर 13.21 करोड़ रुपये की वसूली की गई, जो पिछले वर्ष के अगस्त के आंकड़ों की तुलना में 166% से अधिक है। साथ ही, मुंबई उपनगरीय खंड पर 88 हजार मामलों का पता लगाकर 3.44 करोड़ रुपये का जुमार्ना प्राप्त किया गया है। एसी लोकल ट्रेनों में अनधिकृत प्रवेश को रोकने के लिए लगातार औचक टिकट जांच अभियान भी चलाए जा रहे हैं। एसी लोकल में केंद्रित अभियानों के परिणामस्वरूप, अप्रैल से अगस्त, 2025 के दौरान 36 हजार से अधिक अनधिकृत यात्रियों को दंडित किया गया और उनसे 1.20 करोड़ रुपये जुमार्ने के रूप में प्राप्त किए गए, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में लगभग 54% अधिक है। ऐसे उल्लेखनीय परिणाम अनधिकृत यात्रा पर अंकुश लगाने, यात्री अनुभव को बेहतर बनाने और सार्वजनिक राजस्व की सुरक्षा के लिए पश्चिम रेलवे की प्रतिबद्धता के प्रमाण हैं। पश्चिम रेलवे आम जनता से अपील करता है कि कृपया उचित और वैध टिकट के साथ ही यात्रा करें।

मुंबई में गणेश विसर्जन के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल, रहेगी चप्पे-चप्पे पर नजर

(जीएनएस)।

मुंबई में गणेशोत्सव का समापन बेहद धूमधाम से और भव्य अंदाज में किया जाता है। पूरे प्रदेश में विसर्जन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए जाते हैं। इस बार मुंबई में गणपति विसर्जन के दौरान पुलिसकर्मियों की तैनाती, ड्रोन से निगरानी के अलावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी इस्तेमाल किया जाएगा।

पहली बार मुंबई पुलिस और प्रशासन अक की मदद से शहर की निगरानी करने वाली है। भीड़ नियंत्रण के साथ ही यह सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण कदम है।

गणपति विसर्जन के समय मुंबई में लाखों भक्त शामिल होते हैं। इस दौरान भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए इस बार अक तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। इससे पहले प्रयागराज महाकुंभ में भी सुरक्षा व्यवस्था कायम रखने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल किया गया था।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

- मुंबई पुलिस ने बताया कि सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस मुस्तैदी से इंतजाम कर रही है। शहर के अलग-अलग हिस्सों में लगे हाई-टेक उउळश कैमरे अक-सॉफ्टवेयर से लैस होंगे। इन कैमरों की मदद से भीड़ की गतिविधियों का विश्लेषण कंट्रोल रूम से किया जा सकेगा।

अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से आएगा करोड़ों साल पहले का खतरनाक जीव, अक से बनेगा 3ऊ मॉडल

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से संदिग्ध हरकतों की जानकारी कंट्रोल रूम तक रीयल टाइम में मिलेगी और इससे भीड़ को नियंत्रित करने, ट्रैफिक मैनेजमेंट और सुरक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।
- मुंबई पुलिस ने बताया कि अक कैमरे चेहरों की पहचान और व्यवहार पैटर्न का भी विश्लेषण करेंगे। इसके अलावा, ड्रोन कैमरों का भी इस्तेमाल किया जा रहा है जो ऊंचाई से भीड़ को नियंत्रित करने का काम करेगी।

ट्रैफिक और भीड़ का नियंत्रण

गणेश विसर्जन के समय अक्सर मुंबई में भारी जाम की स्थिति बन जाती है। लाखों की संख्या में लोग सड़कों पर निकलते हैं और ऐसे वक्त में ट्रैफिक नियंत्रण करना बेहद कठिन होता है। इस बार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक के जरिए ट्रैफिक मूवमेंट को पहले से मॉनिटर किया जा सकेगा। इससे रियल टाइम में ट्रैफिक डायवर्ट किया जा सकेगा, जिससे आम लोगों को कम असुविधा होगी और पुलिसकर्मियों के लिए भी ट्रैफिक संचालन आसान होगा।

गुना में ईद के मौके पर सनसनी, आईपीएल सटोरिए ने गैंगस्टर सलमान लाला के पोस्टरों से बिगाड़ा माहौल

(जीएनएस)।

ईद-उल-फितर के पवित्र मौके पर गुना शहर में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब कुछ शरारती तत्वों ने शहर की शांति भंग करने की कोशिश की। इंदौर के कुख्यात गैंगस्टर सलमान लाला को महिमामंडित करते हुए शहर के चौराहों और गलियों में पोस्टर और बैनर टांग दिए गए।

इन पोस्टरों ने न केवल स्थानीय लोगों की भावनाओं को आहत किया, बल्कि सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने की साजिश का भी शक पैदा कर दिया। इस पूरे मामले में एक क्छछ सटोरिए की भूमिका सामने आई है, जिसके तार अशोकनगर के एक बड़े सट्टेबाज से जुड़े हैं। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या यह सिर्फ शरारत थी, या फिर इसके पीछे कोई सुनियोजित साजिश थी?

सटोरिए ने गैंगस्टर सलमान लाला के पोस्टरों से बिगाड़ा माहौल

पोस्टरों ने बिगाड़ा माहौल

शुक्रवार सुबह, जब गुना शहर ईद की खुशियों में डूबा था, श्रीराम कॉलोनी के निवासियों की नजर कुछ असामान्य पोस्टरों पर पड़ी। इन पोस्टरों में इंदौर के गैंगस्टर सलमान लाला को नायक की तरह दशार्या गया था। पोस्टरों पर सलमान लाला का बड़ा-सा चेहरा और कुछ युवकों की तस्वीरें थीं, जो स्थानीय लोगों के लिए अपरिचित नहीं थीं। इनमें से कुछ चेहरों की पहचान शहर के कुख्यात क्छछ सटोरियों के रूप में हुई।

श्रीराम कॉलोनी में लगे पोस्टरों को देखते ही स्थानीय लोगों ने आपत्ति जताई। कुछ ही देर में प्रशासन और पुलिस हरकत में आए और इन पोस्टरों को हटवाया। लेकिन जयस्तंभ चौराहे और बस स्टैंड जैसे व्यस्त इलाकों में लगे पोस्टरों पर किसी का ध्यान नहीं गया। ये पोस्टर रातों-रात शहर के प्रमुख स्थानों पर लगाए गए थे, जिससे यह साफ था कि यह कोई सामान्य शरारत नहीं, बल्कि सुनियोजित कार्रवाई थी।

जयस्तंभ चौराहे पर सटोरिए का राज

का ध्यान खींचा। एक पोस्टर में सलमान लाला का बड़ा फोटो था, और नीचे तीन युवकों की तस्वीरें थीं। पास ही दूसरा पोस्टर था, जिसमें इन तीनों युवकों के साथ-साथ जीन घर में रहने वाले एक कुख्यात क्छछ सटोरिए की तस्वीर थी। इस सटोरिए का नाम शहर में पहले से ही चर्चा में है, क्योंकि वह अशोकनगर के एक बड़े सट्टेबाज का खास सहयोगी माना जाता है।

यह सटोरिया, जिसका नाम पुलिस रिकॉर्ड में कई बार उभर चुका है, क्छछ सट्टेबाजी के दौरान कैंट पुलिस की गिरफ्त में भी आ चुका है। पुलिस को उसके मोबाइल से अशोकनगर के सट्टेबाज के साथ बातचीत के कई सबूत मिले थे। सूत्रों के अनुसार, यह सटोरिया फिलहाल फरार है, और उसका नाम क्छछ से हटवाने के लिए कई रसूखदार लोग कोशिश कर रहे हैं। लेकिन इस बार, उसके इशारे पर शहर में पोस्टर लगवाकर माहौल बिगाड़ने की कोशिश ने सबको हैरान कर दिया।

क्या थी साजिश?

इन पोस्टरों के पीछे की मंशा को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों और जानकारों का मानना है कि यह सिर्फ सलमान लाला को महिमामंडित करने की कोशिश नहीं थी, बल्कि इसके जरिए शहर का सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की साजिश थी। जयस्तंभ चौराहे पर लगे पोस्टरों में सटोरिए की तस्वीर को प्रमुखता से दिखाना इस बात का संकेत देता है कि यह कृत्य सुनियोजित था।

पुलिस ने इस मामले में जाँच शुरू कर दी है। कैंट पुलिस स्टेशन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, "हम इस मामले की गहराई से जाँच कर रहे हैं। पोस्टर लगाने वालों की पहचान की जा रही है, और यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या इसके पीछे कोई बड़ी साजिश थी।" पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया है, लेकिन मुख्य सटोरिया अभी भी फरार है।

सलमान लालाः अपराध की दुनिया का कुख्यात नाम

सलमान लाला कोई नया नाम नहीं है। इंदौर का यह गैंगस्टर कई गंभीर अपराधों में शामिल रहा है, जिसमें हत्या का प्रयास और अवैध हथियार रखने जैसे मामले शामिल हैं। मार्च 2024 में इंदौर क्राइम ब्रांच ने उसे एक अवैध पिस्तौल और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया था। उसके खिलाफ शहर के विभिन्न थानों में 32 से अधिक मामले दर्ज हैं। ऐसे में, गुना जैसे शांतिप्रिय शहर में उसकी तस्वीरों वाले पोस्टर लगना एक गंभीर मामला है।

पुलिस की कार्रवाई पर सवाल

हालांकि, पुलिस ने श्रीराम कॉलोनी के पोस्टर तुरंत हटवा दिए, लेकिन जयस्तंभ चौराहे और बस स्टैंड जैसे प्रमुख स्थानों पर लगे पोस्टरों को हटाने में देरी ने कई सवाल खड़े किए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर प्रशासन ने पहले ही सतर्कता बरती होती, तो यह विवाद इतना तूल न पकड़ता। कुछ नागरिकों ने यह भी आरोप लगाया कि सटोरिए के रसूखदार कनेक्शनों की वजह से उस पर सख्त कार्रवाई नहीं हो रही है।

सोशल मीडिया पर गरमाई चर्चा

यह मामला सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बन गया है। पर कई यूजर्स ने इसे शांति भंग करने की साजिश करार दिया। एक यूजर ने लिखा, "गुना जैसे छोटे और शांत शहर में इस तरह की हरकतें चिंता का विषय हैं। पुलिस को सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए।" वहीं, कुछ लोगों ने इसे सट्टेबाजों की आपसी रंजिश से जोड़ा, जो अपने प्रभाव को बढ़ाने के लिए इस तरह की हरकतें कर रहे हैं।

प्रशासन की अपीलः शांति बनाए रखें

गुना जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की है। जिला कलेक्टर ने कहा, "हम इस मामले की गंभीरता से जाँच कर रहे हैं। नागरिकों से अनुरोध है कि वे किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और शहर की शांति बनाए रखें।" पुलिस ने शहर के संवेदनशील इलाकों में गश्त बढ़ा दी है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में बताई जा रही है।

उस आईएएस को मैं कभी माफ नहीं करूंगा', कौन हैं अवनीश अवस्थी जिसे अखिलेश यादव ने दी धमकी?

(जीएनएस)।

यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने खुद पर लगे टोंटी चोरी के आरोप को लेकर पलटवार किया है। अखिलेश यादव ने कहा कि, दो अधिकारियों ने फेक न्यूज फैला कर मेरी बदनामी कराई। एक कऔर अवनीश अवस्थी हैं और एक अधिकारी भाग गया, डरऊकौशिक नाम हैं।

ये इल्जाम लगाया टोटी ले गए, हमारे घर को गंगाजल से धुलवोगे आप, आप भूल सकते हो, मैं नहीं भूल सकता...उन अधिकारियों को कभी माफ नहीं करुंगा अखिलेश ने कहा कि यह मामला भूलने वाला नहीं है।

अखिलेश यादव ने क्या कहा?

ये इल्जाम लगाया टोटी ले गए, हमारे घर को गंगाजल से धुलवोगे आप, आप भूल सकते हो, मैं नहीं भूल सकता... मैं नहीं भूल सकता हूं। आपको कई बार कहा हूं और फिर कहता हूं। टोंटी चोरी वाला मामला एक अखबार ने स्टिंग ऑपरेशन किया, याद करिए आप। एक पत्रकार ने पूरी जानकारी हासिल की, उसने कहा था कि एक IAS अवनीश अवस्थी हैं और एक अधिकारी भाग गया, OSD कौशिक नाम हैं। ये बात हम लोग भूलने वाले नहीं हैं। ये सरकार भी जान लें और सरकार चलाने वाले भी।

वहीं डरऊ कौशिक पर निशाना साधते हुए कहा कि, डस्टबिन जैसा है, हाइट डस्टबिन जितनी है। अगर बड़ा डस्टबिन शहर में देखा होगा आपने, उतनी ही हाइट है उनकी।

कौन हैं IAS अवनीश कुमार अवस्थी?

अवनीश कुमार अवस्थी (IAS) एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी हैं, जिनका जन्म 19 अगस्त 1962 को हुआ था। उन्होंने 1985 में आईआईटी कानपुर से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बी.टेक. की डिग्री हासिल की और 1987 में सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण कर आईएएस अधिकारी बने। अवस्थी ने उत्तर प्रदेश सरकार में ललितपुर, बदायूं, आजमगढ़, वाराणसी, फैजाबाद, मेरठ और गोरखपुर के जिला मजिस्ट्रेट सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। सितंबर 2005 से जनवरी 2009 तक उन्होंने उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (UPPCL) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में सेवा दी।

अवस्थी उत्तर प्रदेश सरकार में गृह एवं गोपनीय, धार्मिक मामले और सूचना जैसे विभागों के प्रभारी अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद से सेवानिवृत्त हुए। उन्हें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का "दाहिना हाथ" माना जाता था। सेवानिवृत्त होने के बाद वे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सलाहकार के पद पर कार्यरत हैं और विभिन्न महत्वपूर्ण मामलों में मार्गदर्शन और सलाह देते रहते हैं।

अवनीश अवस्थी का विवाह भारतीय लोक गायिका और पद्म श्री (2016) पुरस्कार विजेता मालिनी अवस्थी से हुआ है। उनके दो बच्चे हैं, बेटा अद्वितीय और बेटी अनन्या।

क्या है टोंटी चोरी का मामला?

टोंटी चोरी का मामला 2018 में सामने आया था। जब समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को पूर्व मुख्यमंत्री के नाते मिले आवास को खाली करना था, तब उन पर आरोप लगा कि उन्होंने वहां तोड़फोड़ की और सरकारी संपत्ति का नुकसान किया। दावा किया गया कि उन्होंने दीवारों को तोड़ा और कमरे में रखी टोटियों (सिंचाई या जल संकलन के पात्र) को उठा ले गए।।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मिलाद-उन-नबी के अवसर पर सभी को शुभकामनाएं दीं

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मिलाद-उन-नबी के अवसर पर सभी को अपनी शुभकामनाएँ दी हैं। श्री मोदी ने कहा, "यह पवित्र दिन हमारे समाज में शांति और खुशहाली लाए। करुणा, सेवा और न्याय के मूल्य सदैव हमारा मार्गदर्शन करें।"

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में लिखा;

"मिलाद-उन-नबी के अवसर पर शुभकामनाएँ।

यह पवित्र दिन हमारे समाज में शांति और खुशहाली लाए। करुणा, सेवा और न्याय के मूल्य सदैव हमारा मार्गदर्शन करें।

शिक्षा माफियाओं पर कार्रवाई की मांग को लेकर निकली मशाल यात्रा, एबीवीपी ने दिया 24 घंटे का अल्टीमेटम

(जीएनएस)।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, गोरक्ष प्रांत की गोरखपुर महानगर इकाई द्वारा शुक्रवार को मशाल यात्रा निकालकर श्रीराम स्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय, बाराबंकी में हो रहे शैक्षिक भ्रष्टाचार तथा शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे अभाविप कार्यकताओं पर हुए बर्बर पुलिसिया लाठीचार्ज का जोरदार विरोध किया गया।

कार्यकताओं ने विश्वविद्यालय प्रशासन व पुलिस की मिलीभगत पर सवाल उठाते हुए स्पष्ट कहा कि लाठीचार्ज कराने वाले दोषी पुलिसकर्मियों एवं विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा बुलाए गए बाहरी गुंडों पर कठोरतम कार्यवाही के साथ ही, इस पूरे प्रकरण के जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों को दंडित करने और शिक्षा को धंधा बनाने वाले श्रीराम स्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय को बंद करने की मांग सरकार से की गई। अभाविप कार्यकताओं ने मशाल यात्रा के दौरान सरकार को 24 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी कि यदि दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई और मांगे पूरी नहीं की गईं तो आंदोलन और भी उग्र रूप में पूरे प्रदेश में किया जाएगा।

अभाविप कार्यकताओं ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन और पुलिस की मिलीभगत से छात्रों पर हमला कराया गया, जो लोकतंत्र में अस्वीकार्य है। परिषद की मांग है कि शिक्षा को धंधा बनाने वाले इस विश्वविद्यालय को बंद किया जाए और दोषी अधिकारियों व पुलिसकर्मियों पर तत्काल कार्रवाई हो।

अभाविप की प्रमुख मांगे :

1. विधि छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के लिए जिम्मेदार पुलिसकर्मियों और बाहरी गुंडों पर कठोरतम कार्रवाई की जाए और यह स्पष्ट किया जाए कि लाठीचार्ज का आदेश किसने दिया।

2. बिना अनुमति विधि पाठ्यक्रम संचालन की उच्च स्तरीय जांच कर जिम्मेदार विश्वविद्यालय प्रशासनिक अधिकारियों को दंडित किया जाए और विश्वविद्यालय को तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए

3. रफ्ट विश्वविद्यालय द्वारा किए गए सरकारी भूमि पर कब्जा और अवैध निमार्णों पर बुलडोजर चलाने की कार्यवाही हो।

4. अवैध फीस वसूली , सामाजिक कल्याण शुल्क और छात्रों के मनमाने निष्कासन की जांच कर रिपोर्ट सार्वजनिक किया जाए।

मशाल यात्रा अभाविप गोरक्ष प्रांत कार्यालय से निकल कर विभिन्न मार्गों से होते हुए गोलघर पहुंचा उसके बाद फिर प्रांत कार्यालय पर समाप्त हुआ।

अभाविप प्रांत मंत्री मयंक राय ने कहा कि श्रीराम स्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय, बाराबंकी में छात्रों पर किया गया बर्बर लाठीचार्ज लोकतंत्र के लिए कलंक है। शिक्षा माफियाओं और विश्वविद्यालय प्रशासन की मिलीभगत से शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे अभाविप कार्यकताओं पर हमला कराया गया, जो विद्यार्थियों की आवाज को दबाने की नाकाम कोशिश है विद्यार्थी परिषद स्पष्ट चेतावनी देती है कि दोषी पुलिसकर्मियों, बाहरी गुंडों और विश्वविद्यालय प्रशासन पर यदि 48 घंटे के भीतर कठोरतम कार्रवाई नहीं की गई, तो अभाविप प्रदेशव्यापी उग्र आंदोलन छेड़ने के लिए बाध्य होगी शिक्षा का मंदिर व्यापार का अड्डा नहीं बन सकता। अभाविप न केवल छात्रों पर हुए अन्याय के खिलाफ बल्कि शिक्षा के इस निरंतर हो रहे व्यवसायीकरण और भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक संघर्ष करेगी। यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक दोषियों को दंडित नहीं किया जाता और छात्रों के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो जाती।

अभाविप गोरखपुर महानगर मंत्री अभिषेक मौर्या ने कहा कि छात्रों पर उठी हर लाठी, देश के भविष्य पर प्रहार है। श्रीराम स्वरूप विश्वविद्यालय प्रकरण में जो हुआ वह किसी भी संवेदनशील समाज को झकझोर देने वाला है। विद्यार्थी परिषद छात्रों की सुरक्षा और सम्मान के लिए हर हद तक संघर्ष करेगी।

शिक्षक दिवस पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने शिक्षकों किया सम्मानित

(जीएनएस)।

सीतापुर। राजकीय इंटर कॉलेज सभागार सीतापुर में शिक्षक दिवस के अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के द्वारा विद्यालय संबंधी उत्कृष्ट कार्यो हेतु जिला स्तरीय उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान से मोहम्मद जावेद अंसारी प्रधानाध्यापक उच्च प्राथमिक विद्यालय त्योला विकासखंड बिसवाँ को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर विकास राज्य मंत्री माननीय राकेश राठौर, पुलिस अधीक्षक, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला व्यायाम शिक्षक, जिला समन्वयक और खंड शिक्षा अधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर बधाई देने वालों का तांता लग गया शाह आलम खान राणा प्रदेश उपाध्यक्ष एंव लखनऊ मंडल प्रभारी समाजवादी शिक्षक सभा, हाजी मोहम्मद असलम, तारिक अंसारी, ब्रह्म प्रकाश वर्मा, रइस अंसारी, हबीब अंसारी इशरत रजा कयूम अंसारी, इरशाद अंसारी मो०नफीस खान पूरन लाल वर्मा प्रगट सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षकों ने बधाई दी।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया शिक्षक दिवस, प्रतिभाओं को निखारने वाले गुरुओं को किया गया नमन

(जीएनएस)।

संदना सीतापुर। सफलमंत्रा एजुकेशनल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड लखनऊ से सम्बद्ध नेशनल कंप्यूटर एजुकेशन संदना में शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। इसके पश्चात संस्थान के डायरेक्टर राम शंकर यादव व छात्र-छात्राओं ने सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि ' मौके पर छात्र छात्राओं ने संस्थान को बहुत ही आकर्षक तरीके से सजाया। सर्वप्रथम छात्रों ने संस्थान के डायरेक्टर रामशंकर यादव को फूल का गुलदस्ता देकर स्वागत किया। उसके बाद डायरेक्टर रामशंकर यादव ने केक काटकर कार्यक्रम की शुरूआत की।

शिक्षक जिंदगी के बनाने वाले होते हैं, वे जिंदगी देने वाले तो नहीं होते पर जिंदगी की दिशा निर्धारित करने में उनकी अहम भूमिका होती है। शिक्षक दिवस मना रहे हैं। भारत के द्वितीय राष्ट्रपति भारत रहे ' शिक्षाविद् डॉ. सर्व पल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिवस शिक्षक दिवस के रूप में 5 सितंबर को पूरे देश में मनाया जा रहा है हम सभी उनका स्मरण करते हुए उन्हें याद करते हैं। यह बात संस्थान के डायरेक्टर रामशंकर यादव ने सभागार में आयोजित शिक्षक दिवस समारोह में कही। इन सभी कार्यक्रमों का संचालन स्वयं संस्थान के डायरेक्टर राम शंकर यादव द्वारा किया गया, जिससे समारोह में उल्लास और उत्साह और भी बढ़ गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सभी छात्र-छात्राओं द्वारा डायरेक्टर राम शंकर यादव को उपहार और गुलाब का फूल भेंटकर सम्मानित किया। इससे पूरे वातावरण में आत्मीयता और सम्मान की भावना व्याप्त हो गई। इस प्रकार शिक्षक दिवस का यह समारोह हर्षोल्लास और सौहार्द के साथ संपन्न हुआ, जिसमें शिक्षक और विद्यार्थियों दोनों ने मिलकर शिक्षा के महत्व और गुरुजनों की गरिमा को पुनः स्मरण किया।

इस मौके पर दीक्षा पांडे, मोहम्मद आसिम,अनुष्का चौधरी,नंदिनी,लवकुश पाल,अनूप कुमार,अरुण कुमार, उमा सिंह, हिमांशु शुक्ला,विशाल शुक्ला, शुभम,अमन शुक्ला, आदि मौजूद रहे '

थाना मदेयगंज खदरा में शांतिपूर्वक निकाला गया ईद मिलाद-उन-नबी का जुलूस।

लखनऊ थाना मदेयगंज खदरा में शांतिपूर्वक ईद मिलाद-उन-नबी का जुलूस निकाला गया।

जुलूस ए मोहम्मदी में महिलाओं और छोटे छोटे मासूम बच्चों ने भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

छोटे बच्चों की हौसला अफजाई करने के लिए क्षेत्रीय पार्षद नदीम खान भी जुलूस में लोगों को तब्बरुक बांटते नजर आए

एसीपी महानगर अंकित कुमार,व थाना मदेयगंज इंस्पेक्टर राजेश सिंह,अमरनाथ वर्मा, विनोद,

आशीष भदौरिया, और भी लोग मौजूद रहे।

हर साल की तरह इस साल भी बड़ी ही शांति पूर्वक तरीके से जुलूस निकाला गया।

जश्ने-ईद मिलादुन्नबी, मोहब्बत-ए-रसूल का आलम और रूहानी जोश, शान-ओ-शौकत के साथ निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी पिछले तमाम रिकॉर्ड तोड़े

(जीएनएस)।

लखनऊ। अवध की तहजीबी नगरी, एक बार फिर हुजूर-ए-अकरम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की विलादत-ए-बासअदत के जश्न में डूब गई। ईद मिलादुन्नबी, जो 12-रबी-उल-अव्वल को तमाम ईदों से अफजल माना जाता है, इस मुबारक मौके पर शहर ने एक बेमिसाल रूहानी मंजर पेश किया। लखनऊ ने इस मुकद्दस दिन को पूरे शान-ओ-शौकत के साथ मनाया, जहां लाखों आशिकाने-रसूल ने अपने जज्बे और मोहब्बत का इजहार किया।

जुलूस-ए-मोहम्मदी ईमान का सैलाब, दरगाह हजरत मखदूम शाह मीना शाह की पाक सरजमीन से एक अजीमु शान जुलूस-ए-मोहम्मदी बरामद हुआ, जिसकी सरपरस्ती लखनऊ के काजी-ए-शहर हजरत मुफ्ती अबुल इरफान मियां फरंगीमहली ने फरमाया। यह जुलूस शहर के कोने-कोने से आए आशिकों का एक ऐसा समंदर था, जो अपने हाथों में हरे झंडे और बैनर लिए, दुरूद-ओ-सलाम का नजराना पेश कर रहा था। मड़ियांव, खदरा, पारा और निशातगंज और अन्य इलाकों से उमड़ा यह इंसानी सैलाब दरगाह तक पहुंचा और फिर ज्योतिबा फुले पार्क की जानब रवाना हुआ। सड़कों पर गूंजते नात-ए-पाक और सलात-ओ-सलाम ने पूरे माहौल को रूहानी रंग में रंग दिया।

जलसे से खिताब करते हुए काजी-ए-शहर हजरत मुफ्ती अबुल इरफान मियां फरंगीमहली ने फरमाया कि 12 रबी-उल-अव्वल का दिन इसलिए अफजल है, क्योंकि इसी दिन हमारे आका, हुजूर-ए-अकरम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम इस दुनिया में तशरीफ लाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमारा दीन सिर्फ. रस्मों का नाम नहीं, बल्कि अमल का पैगाम है। हमें अपने बच्चों को इस्लामी ज़िंदगी की तालीम देनी चाहिए, ताकि वे रसूल-ए-अकरम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की सीरत पर चलें और समाज में नेकी का नूर फैलाएं, उनके अल्फाज में गहरी रूहानियत और तर्गीब थी।

ऑल इंडिया मोहम्मदी मिशन के सदर, सय्यद इकबाल हाशमी ने जलसे में मौजूद लाखों अश्कों का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने फरमाया, आज का यह इज्तिमा इस बात का ज़िंदा सुबूत है कि लखनऊ में रसूल-ए-अकरम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम से मोहब्बत करने वालों की कोई कमी नहीं। उन्होंने एक बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि मोहम्मदी मिशन अब सिर्फ. जुलूसों तक महदूद नहीं रहेगा, बल्कि मिल्लत के समाजी और तालीमी मसाइल पर भी बड़े पैमाने पर काम करेगा। यह ऐलान हाज़िरीन में एक नई उम्मीद और जोश ले आया।

जलसे का इख्तिताम मुल्क और मिल्लत की सलामती के लिए खुसूसी दुआओं और सलातो-सलाम के साथ हुआ। इस मौके पर ज़िला इंतेजामिया का भी तहेदिल से शुक्रिया अदा किया गया, जिनके तआवुन और बेहतरीन इंतेजामात के बगैर इतना बड़ा और अमन-ओ-अमान से भरा जलसा मुमकिन न था।

मुरादाबाद की एलिस रिहान ने जीता डांसिंग और मॉडलिंग इंडियास आइकोनिक टैलेंट शो फर्स्ट रनर अप

लखनऊ ,इंडियास आईकानिक टैलेंट शो एलिस रेहान जो की 6 वर्ष है मुरादाबाद सिटी से ताल्लुक रखती है टीवी पर देखकर डांस सिखा करती है 2 वर्ष की आयु में टीवी और यूट्यूब से वीडियो देखना स्टार्ट किया और वहां से उसने अपना डांस स्टार्ट किया इंडियास आइकोनिक टैलेंट शो मुरादाबाद में ऑडिशन दिया था जहां पर उसका सलेक्शन हुआ और इंडियास आइकोनिक टैलेंट शो का ग्रैंड फिनाले जो कि लखनऊ में 16 अगस्त में संपन्न हुआ क्ल्र्'२ आइकोनिक टैलेंट शो में जिसको फर्स्ट पोजीशन ड्डरि ूईंड्ड१८ मॉडलिंग मैं फर्स्ट पोजीशन और डांसिंग में सेकंड पोजीशन ग्रैंड फिनाले सीजन 1 में हासिल किया एलिस रेहान की मदर ्ल्लर्ँ और फादर मोहम्मद रेहान डांस मैं बहुत सपोर्ट करते हैं उनकी सपोर्ट से यह ग्रैंड फिनाले में आई बहुत जल्द नाइस फिल्म प्रोडक्शन के न्यू म्यूजिक एल्बम में आप देखेंगे जो किं नाइस फिल्म प्रोडक्शन की तरफ से लांच किया जाएग्र

जीएसटी में कमी से बढ़ेगी घरेलू मांग, ईएमआई फाइनेंसिंग होगी मजबूत

होम क्रेडिट इंडिया के सीईओ श्री विवेक सिंह ने हाल ही में जीएसटी को सुसंगत बनाने के कदम का स्वागत किया है।

जो टैक्स स्लैब को सरल बनाता है और इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर को सही करता है, एक बहुत ही प्रगतिशील और समय पर किया गया सुधार है। यह हमारी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में उपभोग को काफी बढ़ावा देगा और उसका समर्थन करेगा। इस कदम से मध्यम वर्ग के परिवारों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा, जहाँ आय का एक बड़ा हिस्सा दैनिक जरूरतों पर खर्च होता है। पैकेज्ड फूड, पर्सनल केयर प्रोडक्ट और किचन के सामान जैसी रोजमर्रा की चीजों पर जीएसटी को 5% के दायरे में लाने से, परिवारों के मासिक खर्चों में सीधे तौर पर कमी आएगी। हमें उम्मीद है कि इससे मुद्रास्फीति में एक फीसदी से भी अधिक कमी आएगी।

उपभोक्ता के स्तर पर, हमें दोहरा असर दिखने की उम्मीद है। कम कीमतों से फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी), ड्यूरेबल्स और इलेक्ट्रॉनिक्स पर खर्च बढ़ने की संभावना है। इसके अलावा, परिवार अपनी बचत का कुछ हिस्सा मजबूत वित्तीय कोष बनाने के लिए भी चुन सकते हैं। ठीक त्योहारी सीजन से पहले किए गए इस सुधार का समय, विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। यह उपभोक्ताओं के आत्मविश्वास को बढ़ाएगा और होम अप्लायंस से लेकर दोपहिया वाहनों तक की खरीद की मांग को बढ़ाएगा, ये वो श्रेणियाँ हैं जहाँ हमारी ईएमआई फाइनेंसिंग की अहम भूमिका है।

होम क्रेडिट इंडिया के लिए, यह किफायती और पारदर्शी फाइनेंसिंग साल्यूशन्स की मजबूत मांग का संकेत देता है, जो परिवारों को उनकी आवश्यक और आकांक्षी दोनों जरूरतों को पूरा करने में मदद करता है।

तत्काल होने वाले लाभों के अलावा, यह सुधार उद्योगों को प्रोत्साहित करने और वित्तीय समावेशन को मजबूत करने में एक शक्तिशाली मल्टीप्लायर प्रभाव डालेगा। यह जीएसटी को तर्कसंगत किया जाना सिर्फ एक टैक्स सरलीकरण से कहीं ज्यादा है; यह लंबी अवधि के आर्थिक विकास का एक उत्प्रेरक है जो उपभोक्ताओं को सशक्त बनाता है और वित्तीय ईकोसिस्टम को मजबूत करता है।

'पति पत्नी और पंगा' में मिलिंद चंदवानी ने किया खुलासा - आखिर किस वजह से उन्हें 'बालिका वधू' फेम अविका गोर से हुआ सच्चा प्यार

अविका गोर और मिलिंद चंदवानी अपनी मोहक प्रेम कहानी से पहले ही दर्शकों के दिलों पर राज कर चुके हैं। फैन्स ने उन्हें स्नेह से 'कलर्स टीवी की बेटी और दामादह्व तक का खिताब दे दिया है। इनकी जोड़ी एक आधुनिक परीकथा जैसी मानी जाती है। लेकिन इस वीकेंड कलर्स के शो 'पति पत्नी और पंगा - जोडियों का रियलिटी चेक' में इनका रिश्ता सबसे कठिन इम्तिहान से गुजरने वाला है, जब यह चर्चित जोड़ी 'लाई डिटेक्टर चैलेंज' का सामना करेगी। प्यार, हंसी और चौंकाने वाले खुलासों का यह संगम सबको हैरान कर देगा।

शुरूआत में यह सच का पल तनाव से भरा था, लेकिन जल्द ही यह सीजन की सबसे दिल छू लेने वाली स्वीकारोक्ति में बदल गया। मिलिंद से पूछा गया - 'क्या अगर अविका मशहूर न होतीं, तब भी आप उनके साथ होते?ह्व उनका जवाब सुनकर न केवल सवाल का जवाब मिल गया, बल्कि मंच पर मौजूद सभी सेलिब्रिटी जोडियों को भी भावुक कर दिया।

अपने दिल की बात बताते हुए मिलिंद ने कहा - 'मैं हमेशा जानता था कि मुझे जिंदगी से क्या चाहिए। शोहरत और पैसा मेरे लिए कभी मायने नहीं रखते, इसलिए मैंने आरामदायक कॉरपोरेट नौकरी छोड़कर सोशल वर्क चुना। जब मैं अविका से मिला, तो मुझे उनकी प्रसिद्धि या पैसा आकर्षित नहीं कर रहा था। वह 'कलर्स की बेटी' नहीं, बल्कि अविका थी - उनकी जिद, उनकी दयालुता और हर जगह अपनी ऊर्जा से माहौल रोशन करने का अंदाज। मैंने उन्हें अथक मेहनत कर अपने सपनों को पूरा करने और शून्य से अपना साम्राज्य बनाने के लिए कड़ी मेहनत करते देखा है। उन्होंने कोई विरासत नहीं पाई, बल्कि खुद अपनी विरासत रची है। हर दिन मुझे उन पर गर्व होता है, न कि उनकी शोहरत या बाहरी छवि पर, बल्कि इसलिए कि वह पर्दे के पीछे भी उतनी ही अद्भुत इंसान हैं। उन्होंने कुछ असाधारण बनाया है और मुझे सौभाग्यशाली लगता है कि मैं उसका एक छोटा-सा हिस्सा हूं। मैंने उन्हें चुनौतियों से लड़ते, हर 'ना' को मौके में बदलते और प्रेरणा से भरा रास्ता बनाते देखा है। दुनिया के लिए वह अविका गोर हैं - एक एक्टर, प्रोड्यूसर और राइटर। लेकिन मेरे लिए वह वह लड़की हैं जो मेरी बेवकूफी भरी बातों पर हंसती है, मुश्किल वक्त में मेरा हाथ थामती है और हर दिन को घर जैसा एहसास दिलाती है। उनके साथ रहना शोहरत या पहचान की बात नहीं है - यह जिंदगी बांटने, उनकी जीत का जश्न मनाने, मुश्किलों में उनके साथ खड़े रहने और उनका सबसे बड़ा चीयरलीडर बनने की बात है।ह्व

निविया बॉडी मिल्क प्रस्तुत करता है 'पति पत्नी और पंगा - जोडियों का रियलिटी चेक', को-पावर्ड बाय शुगर फ्री ग्रीन, राजधानी बेसन, कैडबरी डेयरी मिल्क, पोअर होम एयर फ्रेशनर्स, एन्वी परफ्यूम्स और लॉरियल पेरिस हायलूरॉन प्योर। स्पेशल पार्टनर्स - कोलगेट और कैच मसाले। देखिए हर शनिवार और रविवार रात 9:30 बजे, सिर्फ कलर्स पर।

क्या नीतीश का गेमचेंजर प्लान तय करेगा बिहार चुनाव का रिजल्ट? महागठबंधन के लिए मुश्किलें दोगुनी!

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 नजदीक हैं और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिलाओं के वोट बैंक को साधने के लिए एक के बाद एक बड़े कदम उठाए हैं। बिहार की महिलाएं नीतीश कुमार की 'साइलेंट वोटर' भी कहलाती हैं। महिलाओं की गिनती आज बिहार के सबसे निर्णायक वोटरों में होती है और यही वजह है कि नीतीश कुमार ने चुनावी अखाड़े में उतरने से पहले उन्हें केंद्र में रखकर योजनाओं की झड़ी लगा दी है।

नीतीश कुमार ने अपनी 'साइलेंट वोटरों' यानी महिला वोटर्स को लुभाने के लिए एक के बाद एक कई बड़े दांव खेले हैं। नीतीश की इस रणनीति से विपक्षी खेमा महागठबंधन की मुश्किलें दोगुनी हो गई हैं। महागठबंधन को अब इस बात का डर सता रहा है कि कहीं उनका वोटबैंक ना खिसक जाए। आइए जानते हैं पिछले कुछ दिनों में नीतीश कुमार की सरकार ने महिलाओं के लिए क्या 5 बड़े ऐलान किए हैं, जो गेमचेंजर साबित हो सकते हैं।

24 जून को हुई कैबिनेट बैठक में बुजुर्गों, विधवाओं और दिव्यांगजनों की मासिक पेंशन ₹400 से बढ़ाकर ₹1,100 कर दी गई। 11 जुलाई को इसका पहला किस्त भुगतान सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में किया गया। सरकार के मुताबिक, इस योजना के करीब 1.11 करोड़ लोगों को फायदा हुआ है, जिनमें लगभग 54.5% महिलाएं हैं।

8 जुलाई को बिहार कैबिनेट ने बड़ा फैसला लिया कि सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए लागू 35% आरक्षण अब केवल बिहार की मूल निवासी महिलाओं के लिए ही होगा। दूसरे राज्यों की महिलाएं अब सिर्फ सामान्य श्रेणी में प्रतियोगिता कर सकेंगी।

योगी आदित्यनाथ ने शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि महान दार्शनिक, प्रख्यात शिक्षाविद्, पूर्व राष्ट्रपति 'भारत रत्न' डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयन्ती को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। शिक्षा और दर्शन के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए कार्य आज भी हमारा मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। एक आदर्श शिक्षक के रूप में वह हमारे प्रेरणास्रोत रहे हैं।

देश व समाज की उत्तरोत्तर प्रगति में शिक्षा एवं शिक्षकों की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है। शिक्षक जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में वर्तमान पीढ़ी का मार्गदर्शन करते हुए राष्ट्र की नींव को सुदृढ़ बनाते हैं तथा समाज में सकारात्मक बदलाव का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

मुख्यमंत्री जी ने समस्त शिक्षकों का आह्वान किया है कि वे शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने तथा अपनी भूमिका को राष्ट्र व समाज हित में और अधिक कारगर बनाने के लिए संकल्पबद्ध होकर प्रयास करें।